फीस का बढ़ा बोझ: रुपए में गिरावट का सबसे सीधा असर विदेश में पढ़ रहे छात्रों की ट्यूशन फीस पर पड़ा है। अमरीका, ब्रिटेन और यूरोप की यूनिवर्सिटीज में फीस डॉलर और पाउंड में जमा करनी होती है। ऐसे में भारतीय परिवारों को ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही है।

युद्ध से पहले (फरवरी 2026) **01 डॉलर = 90.78**

वर्तमान में (18 मई 2026): **01 डॉलर = 96.35**

प्रति डॉलर का नुकसान **5.57**

(रुपया करीब 5.95% कमजोर हुआ)

ट्यूशन फीस का गणित (सालाना 40,000 डॉलर पर)

पहले: 40,000 डॉलर × 90.78 = **36,31,200**

अब: 40,000 डॉलर × 96.35 = **38,47,200**

केवल फीस में अंतर: ₹2,16,000 का अतिरिक्त बोझ

छात्र परेशान: जिन छात्रों ने विदेश में पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया है उनकी मुश्किल और बढ़ गई है। **डॉलर की मजबूती ने बैंक से मिलने वाली लोन राशि अब कम पड़ रही है।**

तलाश रहे नए विकल्प: मिडिल ईस्ट में जारी तनाव का असर छात्रों की पसंद पर भी दिखाई दे रहा है। छात्र अब लंबे कोर्स चलाने या ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। इसके अलावा **खाड़ी देशों के बजाय जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे सुरक्षित देशों की तरफ रुख बढ़ रहा है।**

2,43,849	1447.27	177.78
94,991	401.17	34.91
2,42,562	1730.14	24.83
457	2.13	0.05
1,346	1.06	0.76

(राशि और वसूली करोड़ रुपए में)

क्रेडिट कार्ड
डेबिट/एटीएम कार्ड
इंटरनेट बैंकिंग
यूपीआइ
आधार संचालित भुगतानों

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली डिजिटल लेनदेन को जल्द ही रियल टाइम यानी इसी वक्त डिजिटल स्कोर दिए जाएंगे। यह कदम बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों के बीच 'म्यूल अकाउंट' के जरिए पैसों के लेनदेन के मूल स्रोत का पता लगाने के लिए उठाया जा रहा है। म्यूल अकाउंट ऐसे बैंक खाते होते हैं जिनका उपयोग साइबर अपराधी या जालसाज साइबर ठगी और धनशोधन जैसे अवैध तरीके से कमाए गए पैसों को छिपाने और एक जगह से दूसरी जगह भेजने के लिए करते हैं। डिजिटल लेनदेन को स्कोर देना भारतीय रिजर्व बैंक इनोवेशन हब द्वारा शुरू की गई परियोजना का दूसरा चरण है। इस परियोजना को इंडियन डिजिटल पेमेंट इंटेलिजेंस कॉरपोरेशन द्वारा लागू किया जाएगा।

बनाया नया टूल

इंडियन डिजिटल पेमेंट इंटेलिजेंस कॉरपोरेशन (आइडीपीआइसी) के प्रबंध निदेशक सत्यनारायण राजू ने कहा कि जब तक आप म्यूल अकाउंट का खुलना नहीं रोकते तब तक साइबर धोखाधड़ी पर काबू पाना मुश्किल होगा। पैसों का इस्तेमाल इन्हीं खातों के जरिए किया जाता है। आरबीआई इनोवेशन हब ने मशीन लर्निंग बनाने के उद्देश्य से म्यूलहंटरडीएमआई टूल बनाया था।

ऐसी रहेगी बैंकों की कार्यशैली बैंक अपनी नीतियों के अनुसार कम मात्रा और अधिक जोखिम के लिए एक सीमा तय कर सकते हैं। यदि खाता कम जोखिम वाला है तब लेनदेन खुल भी सकता है। ज्यादा जोखिम वाले मामलों में बैंक अधिक सतर्कता अपनाएंगे। बैंक जरूरत पड़ने पर लाभार्थी से लेनदेन के दस्तावेज और प्रमाण भी मांग सकते हैं।

सेंसेक्स-निफ्टी 1100 अंकों की रिकवरी

ड़ी गिरावट के बाद संभला जार, आइटी ने संभाला मोर्चा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में शेयर बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआत में बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों के कारण निवेशकों में सतर्कता बनी रही। हालांकि दिन के दौरान खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। बैंक निफ्टी में करीब 1100 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी 315 अंक बढ़ कर बंद हुआ। बैंक शेयरों में अच्छी तेजी रही।

- मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली
- निवेशकों को एक दिन में करीब 3 लाख करोड़ रुपए का नुकसान
- ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंचा

एनएसई निफ्टी भी करीब 300 अंक की रिकवरी कर 23,640 के स्तर पर बंद हुआ। आइटी सेक्टर ने बाजार को सबसे ज्यादा सहारा दिया। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे शेयरों में अच्छी तेजी रही।

चौहरी मार स्टोर्स पर आधी रह गई बिक्री, ज्वैलरी कंपनियां बदल रही रणनीति

महंगे आयात से ज्वैलरी रिटेलर्स की बढ़ी टेंशन, संभलकर होगा स्टोर एक्सपेंशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई: सोना और चांदी की लगातार बढ़ती कीमतें, आयात शुल्क में बढ़ोतरी और सरकार की सख्ती के चलते देश के संगठित ज्वैलरी कारोबार की रफ्तार आने वाले वर्षों में धीमी पड़ सकती है। पिछले तीन वर्षों में आक्रामक विस्तार करने वाले बड़े ज्वैलरी रिटेलर्स अब नए स्टोर खोलने और निवेश को लेकर अधिक सतर्क नजर आ रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऊंची कीमतों के कारण ग्राहकों की खरीदारी क्षमता प्रभावित हो रही है, जिसका असर मांग पर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के आकलन के अनुसार, ज्वैलरी रिटेलर्स की स्टोर संख्या वृद्धि दर वित्त वर्ष 2027 तक घटकर करीब 12-15 प्रतिशत रह सकती है, जबकि पिछले तीन वर्षों में यह वृद्धि 24-25 प्रतिशत सालाना रही थी। कोरोना महामारी के बाद संगठित ज्वैलरी बाजार में तेजी से विस्तार हुआ था और ग्राहकों का भरोसा ब्रांडेड कंपनियों की ओर बढ़ा था।

आर्थिक अनिश्चितता

विशेषज्ञों के अनुसार सोने की कीमतें पिछले तीन वर्षों में दोगुने से अधिक बढ़ चुकी हैं। वर्तमान में 10 ग्राम सोना करीब डेढ़ लाख रुपए के आसपास पहुंचने से आम ग्राहकों के लिए ज्वैलरी खरीदना काफी महंगा हो गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण बुलियन बाजार में उतार-चढ़ाव भी बढ़ा है। लगातार बढ़ती कीमतों के चलते मध्यम वर्गीय परिवार अब पारंपरिक खरीदारी को टालने लगे हैं।

25% से घटकर 12 फीसदी रह सकती है **स्टोर संख्या वृद्धि दर**

सोने के लिए खतरे की घंटी

मॉल्स के अंदर कुल रिटेल लीजिंग में प्रमुख श्रेणियों की हिस्सेदारी (%)

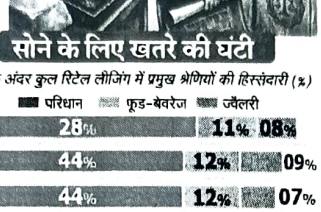

ये कारण डाल रहे असर

- सोना-चांदी की कीमतों में रेकॉर्ड बढ़ोतरी
- आयात शुल्क बढ़ने से लागत में इजाफा
- आयात नियम सख्त होना
- छोटे शहरों में मांग पर अधिक दबाव
- ग्राहकों का महंगे आभूषण खरीदने से बचना

आगे क्या रहेंगे ट्रेंड

1. चांदी की ज्वैलरी में रुचि बनी रह सकती है
2. डिजिटल गोल्ड और निवेश विकल्पों की लोकप्रियता बढ़ेगी

अब फ्रैंचाइजी मॉडल पर फोकस

1. रिटेल कंपनियां अब बड़े शोरूम खोलने की बजाय फ्रैंचाइजी आधारित विस्तार को प्राथमिकता दे सकती हैं। इससे पूंजीगत खर्च कम होगा और जोखिम भी सीमित रहेगा। ***कई कंपनियां फिलहाल नए स्टोर लॉन्च और भारी इन्वेंट्री निवेश को टाल रही हैं।***
2. इक्रा के अनुसार ज्वैलरी सेक्टर का संगठित रिटेल लीजिंग में हिस्सा लगातार बढ़ा है, लेकिन अब कंपनियां 8 हजार वर्गफीट से ***बड़े स्टोर्स की बजाय अधिक उत्पादक और संतुलित फॉर्मेट पर ध्यान दे रही हैं।***

कैश फ्लो जरूरी

कंपनियां टियर-2 और टियर-3 शहरों में कम लागत वाले मॉडल के जरिए अपनी पहुंच बढ़ाने की रणनीति बना रही हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि फ्रैंचाइजी मॉडल कंपनियों को तेजी से विस्तार और बेहतर कैश फ्लो बनाए रखने में मदद करेगा।

एक्सचेंज स्कीम पर बढ़ रहा जोर

ज्वैलरी कंपनियां अब ग्राहकों को पुराने सोने के बदले नया आभूषण खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि वर्तमान में संगठित ज्वैलर्स की लगभग आधी बिक्री एक्सचेंज प्रोग्राम के जरिए हो रही है और आने वाले समय में यह हिस्सा 60-70 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। टाइटन और मलाबार जैसे बड़े ज्वैलरी समूहों का मानना है कि फिलहाल मांग पूरी तरह खत्म नहीं होगी, लेकिन ग्राहक अधिक सोच-समझकर खरीदारी करेंगे। खासतौर पर छोटे शहरों और मध्यम आय वर्ग में कीमतों का असर ज्यादा देखने को मिल सकता है।

कृषि पैदावार में यूपी नंबर वन

आम उत्पादन में भारत का डंका, हिस्सेदारी 42 प्रतिशत

उत्पादन में राज्यों की हिस्सेदारी

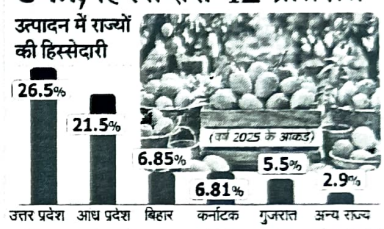

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. साल 2030 तक आम उत्पादन और प्रति व्यक्ति खपत में उछाल आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2030 तक भारत का आम उत्पादन 3.6 करोड़ टन तक पहुंच जाएगा। इस तरह वैश्विक आम उत्पादन में भारत का हिस्सा 42 प्रतिशत होगा। साथ ही आम की प्रति व्यक्ति खपत 23.1 किलो तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार आम उत्पादन में बढ़ोतरी का सबसे बड़ा कारण उत्पादक देशों में आय और जनसंख्या में बढ़ोतरी होगी। गौरतलब है कि आम उत्पादन में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है, जहां देश के कुल उत्पादन का 26.5 प्रतिशत हिस्सा पैदा होता है। इसके बाद आंध्र प्रदेश का स्थान है, जिसकी हिस्सेदारी 21.5 प्रतिशत है।

आंचलिक मंडियां

मूंगफली 9400 रुपए

गेहूं 2026-3061 मक्का 1687-1990, जौ 2245-2322 4200-4500, चना 5561, मसूर 5251-8800, [illegible] 4800-8200, [illegible] 6450-7344, राहड़ा 7250, मूंगफली 5000-[illegible] 5651-9580, [illegible] 6500-10110, पोस्ता 6155,000, इसबगोल 2501, मेथी 5200-[illegible], धनिया 10,000-13,291, [illegible] 6000-18,301, क्लोंजी 18,270, लहसुन 4000-[illegible], प्याज 350-1300, [illegible] 10000-25,800, तुलसी 6400-18,380, चिया 21,500, किलोंब 5000-[illegible] रुपए प्रति क्विंटल बिका।

मक्का 1721-2030, [illegible] 5099-6000, सोयाबीन [illegible]7600, गेहूं 2400-2692, [illegible]800-5499, मसूर 6561-[illegible], धनिया 10911-12599, [illegible] 2800-16000, मेथी [illegible]6000, अलसी 8001-[illegible], मसूर 6460-7115, [illegible] 5517-5617, इसबगोल 12500, मक्का 100-1011, [illegible] 15701-17400, तुलसी [illegible]5500-16000, डॉलर चना [illegible]7699, जिरी 8800-[illegible], मटर 2001-2700, [illegible] 5610-6324, मूंगफली [illegible]8901, जौ 2317-2400, [illegible] 15000-19600, [illegible] 3500-9000 रु पए प्रति [illegible]

[illegible] सोयाबीन 5600-6601, [illegible] 6312-7559, अलसी [illegible]9500, गेहूं 2350-3180, चना देसी 5021-5785, डॉलर चना 6021-8491, मूंग 6800-7401, मसूर 5000-7951 बटला 1900-3330, उड़द 6905-7250, पेंधांदाना 5600-12,100, असालिया 5781, कलौंजी 8000-18,180, खसखस 1,03,000-1,54,501, इसबगोल 8350, तुलसी 10,400-16,700, धनिया 10,151-14,300, लहसुन 3300-16,300, प्याज 171-858 प्रति क्विंटल।

रतलाम. गेहूं लोकवन 2586-3199, समर्थन से नीचे 2050-2584, तेजस 2240-2408, मक्का 1700-1971, चना विशाल 4750-5751, चना इंटालियन 4920-5651, चना डॉलर 6900-8952, सोयाबीन 3500-7600, मटर 2600-3426, लहसुन 1050-18,450, प्याज 325-1626 रुपए प्रति क्विंटल।

नामली. गेहूं समर्थन से नीचे 2100-2550, समर्थन से ऊपर 2601, सोयाबीन 3001-7921, लहसुन 1800-15,110, प्याज 240-951 रुपए प्रति क्विंटल।

सेलाना सोयाबीन 5090-7790, गेहूं 1860-2751, मक्का 1871-1940, चना 5200-5450, मटर 1300-3191, लहसुन 1000-15,900, प्याज 230-1270 रुपए प्रति क्विंटल।

आलोट. सोयाबीन 6000-7380, गेहूं 1800-2488, चना 5251, मेथीदाना 6250, सरसों 6681, लहसुन 1750-13,000, प्याज 100-681 रुपए प्रति क्विंटल।

मुखंडा. सोयाबीन 3900-7300, गेहूं 2100-2590, लहसुन 3200-17,800 रुपए प्रति क्विंटल।

दिसावरी मंडियां

बादाम और पिस्ता के भाव में तेजी

खंडवा: सोयाबीन 3000 से 7900, गेहूं 1912 से 2490, तुवर 5051 से 7050, चना 5200 से 5701, डॉलर चना 5775 से 7430, ज्वार 2000 से 2251, मूंग 5250 से 7400, मक्का 1940 रुपए।

खरगोन: कपास 7411 से 8750, गेहूं 2100 से 2627, चना 5100 से 6900, डॉलर चना 6500 से 8825, मक्का 1620 से 1979, तुवर 5500 से 6696, सोयाबीन 5545 से 7198, मूंग 6800 से 7950, ज्वार 2155 से 2176 रुपए।

शाजापुर: सोयाबीन 4500-7441, गेहूं 1800-2790, चना 4715-5650, डालर चना 3500-7600, मसूर 6740-7400, धनिया 9500-10800, हरा चना 7155, सरसों 5905-6845 रुपए।

शुजालपुर: गेहूं 2200-3700, सोयाबीन 5300-7366, डालर चना 5100-8261, मोंसर्फा चना 5200-5540, कांटा चना 4900-5460, धनिया 10540, मसूर 5000-8120, सरसों 5000-6681 रुपए।

धार: सोयाबीन-3000 से 8470, गेहूं-2188 से 2800, मक्का 1714 से 1902, डालर चना-4085 से 8305, चना-5250 से 5600, बटला-2000 से 3300, मूंग-7060 रुपए।

धामनोद: कपास-8620, गेहूं-2392 से 2505, मक्का 1793 से 1960, सोयाबीन-7065 से 7605, तुअर-5255, मूंग-4400 से 8205, मोंसर्फा चना-5615 से 7165, डालर चना-5750 से 8510 रुपए।

इंदौर. भीषण गर्मी के कारण बाजार में लोकल के साथ दिसावरी ग्राहकी प्रभावित हुई है। आपूर्ति कम रहने से बादाम और पिस्ता के भाव तेज बने हुए हैं। व्यापारियों का कहना है कि अगले माह बाजार में खरीदी बढ़ सकती है।

शकर 4220 से 4270, खांपरा गोला कट्टे में 375 व बाक्स में 390 से 418, खांपरा बुरा 3000 से 6030, कालीमिर्च 745 से 755, मिनिमटर 780 से 800, मटरदाना 825, हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी सांगली 270, जीरा 250 से 260, मीडियम 265 से 275, बेस्ट 280 से 295, तरबूज भगज 490 से 520, नागकेसर 925 से 975, सौठ 320 से 340, बादाम झिंडेपोंडर 765 से 785, कैलिफोर्निया 825 से 840, मोटा दाना 870 से 910, टांच 750 से 770, खारक 77 से 88, मीडियम 95 से 125, बेस्ट 175 से 265, किशमिश कंधारी 425 से 475, बेस्ट 500 से 550, इंडियन 375 से 400, बेस्ट 415 से 425, चारोली 1200 से 1400, बेस्ट 1750 से 1850, मनुक्का 350 से 475, बेस्ट 675 से 775, एक्सट्राबेस्ट 875 से 950, अंजीर 650 से 750, बेस्ट 850 से 1150, एक्सट्राबेस्ट 1250, मखाना 850 से 975, बेस्ट 1150 से 1350, पिस्ता मोटा 2350 से 2400, बेस्ट 3200, नमकीन पिस्ता 1250 से 1400, अखरोट बेस्ट 750 से 800 रुपए।

आरटीजीएस पर सोना 1,56300 रुपए दस ग्राम

इंदौर. सोने के भाव में आंशिक नरमी रही, जबकि चांदी के दाम तेज बने रहे। इंदौर बाजार में आरटीजीएस पर सोना 200 रुपए नरम होकर 1,56300 रुपए दस ग्राम पर रहा। चांदी 7000 रुपए बढ़कर 2,65000 रुपए किलो रही। कॉमेक्स पर सोना 4565.40 डॉलर प्रति औंस पार कर गया है वहीं चांदी 76.94 डॉलर प्रति औंस पर पार गई। इंदौर सराफा बाजार में सोना केडबरी नकदी में (99.50) 1,52000 रुपए प्रति दस ग्राम। 22 कैरेट। 43100 रुपए प्रति दस ग्राम (जीएसटी अतिरिक्त)। चांदी (एसए) चोरसा नकदी में 2,60000 व टंच 2,60500 रुपए प्रति किलो रही। रतलाम सराफा: सोना केडबरी 1,53,000, स्टेंडर्ड 1,54,000, जेवरातो 1,51,000, रुपए प्रति दस ग्राम। चांदी चोरसा 2,64,000, टंच 2,65,000 रुपए प्रतिकिलो।

[illegible]-तिलहन देश में 1.65 लाख बोरी सोयाबीन की आवक

[illegible]याबीन की कीमतों में तेजी रहने के आसार

[illegible]यूज नेटवर्क
patrika.com

[illegible]याबीन की कीमत में पिछले [illegible] में आई गिरावट के बाद [illegible] जारी रही जिस मजबूत बाजार संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों का समर्थन मिला। मानना है कि यदि वैश्विक स्टॉक्स और कच्चे तेल की मजबूत बनी रहती है तो कीमतों में और भी तेजी मिल सकती है। माना जा रहा [illegible] कच्चे तेल के दाम [illegible] में जुड़े मजबूत धारणा के [illegible] तेल कॉम्पलेक्स का [illegible] रहे हैं। देश की मंडियों में कुल [illegible] सोयाबीन की आवक [illegible] प्रदेश में 1 लाख, महाराष्ट्र की [illegible], राजस्थान में 2 हजार व अन्य [illegible] हजार बोरी सोयाबीन आई।

तेल-तिलहन की थोक कीमतें

लूज तेल (प्रति दस किलो) : इंदौर मूंगफली तेल 1580 से 1600, मुंबई मूंगफली तेल 1610, इंदौर सोयाबीन रिफाइंड 1485 से 1490, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1420 से 1425, मुंबई सोया रिफाइंड 1490, मुंबई पाम तेल 1460, इंदौर पाम 1560, राजकोट तेलिया 2505, गुजरात लूज 1550, कपास्या तेल इंदौर 1400 रुपए।

तिलहन : सरसों निमाड़ी (बारीक) 7500 से 7700, रायड़ा 6500 से 6700, सोयाबीन 4200 से 7220 रुपए क्विंटल। सोयाबीन हीआरसी स्पॉट 63000 रुपए टन।

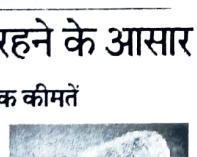

प्लांट के सोयाबीन भाव : धानुका सीमेंट 7350, एवी एग्रो उज्जैन 7225, पतंजलि मंगलिया 6925, मित्तल देवास 6950, प्रेस्टीज देवास 7350, प्रकाश पीथमपुर 7025 रुपए।

कपास्या खली (60 किलो भरती/बिना टेक्स भाव) इंदौर 2525, देवास 2525, उज्जैन 2525, खंडवा 2500, बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 रुपए।

[illegible]का के भाव तेज

[illegible] छावनी अनाज मंडी में के भाव में तेजी रही। [illegible] स्टॉर्च का भाव 2115 रुपए [illegible]डी में गेहूं की 3000 बोरी [illegible] हुई। मिल क्वालिटी गेहूं [illegible] 2575, लोकवन गेहूं

स्टोर का आलू शीघ्र आने की संभावना

इंदौर देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी थोक मंडी में लोकल आलू की आवक लगभग समाप्त हो गई है अब मंडी में स्टोर का आलू आने की संभावना है। लहसुन की 12 हजार, प्याज की 30 हजार व आलू की 9 600 से 700, एवोज 400 से 600, प्याज महाराष्ट्र 1100 से 1300, एवोज 800 से 1000, मीडियम 500 से 700 रुपए क्विंटल रहा।

माया बाजार

इंदौर भाया 360 रुपए किलो। उज्जैन

Bank of India
रिश्तों की जमापूंजी
Relationship beyond banking

आंचलिक कार्यालय : स्टार हाउस, प्लॉट 9-आरसी, स्कीम नं. 134, एम.आर.-10, स्टार चौराहे के पास, इन्दौर - 452010, फोन 2445122-117-147

अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

ई-नीलामी विक्रय सूचना प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित विशेष आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना आम लोगों को और विशेष रूप से उधार लेने वाले/जमाकर्ताओं को यह नोटिस दिया जाता है कि निम्न वर्णित सांपार्श्विक प्रतिभूति लेनदार (बैंक ऑफ इंडिया) के पास गिरवी/प्रभारित है, जिसका सांकेतिक/भौतिक कब्जा प्राधिकृत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, जो "जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर निम्नलिखित तारीख के कॉलम 2 में उल्लिखित कर्जदार एवं जमानतदारों से बैंक ऑफ इंडिया (क्रेडिटर) लेनदार) की निम्नलिखित तारीख के कॉलम 4 में उल्लिखित राशि की वसूली हेतु दिनांक 09.06.2026 को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं जमा योग्य धरोहर राशि तालिका के कॉलम 6 व 7 में क्रमशः दी गई है।

ई-नीलामी दिनांक 09.06.2026 को प्रातः 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

शाखा का नाम (1)	ऋणी / जमानतदार का नाम (2)	संपत्ति का विवरण व स्वामी का नाम (3)	मांग सूचना 13(2) के तहत मांग नोटिस दिनांक व बकाया राशि (4)	आधिपत्य की दिनांक व प्रकार (5)	आरक्षित राशि (रू.) (6)	ईएमडी (7)
शाखा: रतलाम	श्रीमती रजनी तोमी पति श्री महेन्द्र तोमी, पता: 1, फ्लेट नं. 106, शिव विजन ऐनेक्स, 60, राम रहीम कॉलोनी, डीएम फायर ट्रेनिंग सेंटर के पीछे, रावू, इन्दौर (म.प्र.) - 453331, पता: 2, फ्लेट नं. 106, शिव विजन ऐनेक्स, 60, राम रहीम कॉलोनी, डीएम फायर ट्रेनिंग सेंटर के पीछे, रावू, इन्दौर (म.प्र.) - 453331.	रहवासी फ्लेट नं. 105, शिव विजन ऐनेक्स, 60, राम रहीम कॉलोनी, रावू, तहसील एवं जिला इन्दौर, सर्वसीमा निर्धारण श्रीमती रजनी तोमी पति श्री महेन्द्र तोमी, परिमाण - 420 वर्ग फीट, सुपर बिल्ट अप एरिया 687.8 वर्ग फीट, चतुर्सीमा: पूर्व: प्लेट के बाद फ्लेट नं. 104, पश्चिम: खुली भूमि, उत्तर: फ्लेट नं. 106, दक्षिण: अन्य मकान	18.11.2022 ₹ 11,53,099.80 + ब्याज एवं अन्य खर्च	26.08.2023 भौतिक	₹ 09.30 लाख	₹ 0.93 लाख
शाखा इन्दौर	मैसर्स नवी ट्रेडर्स प्रोप्रा. श्री जयंतीलाल संघवी, दुकान नं. 8/10 बालाजी मॉल, सरवार पटेल मार्ग, सियागंज, जिला इंदौर म.प्र. 452002, श्री जयंतीलाल संघवी पिता सरवारमल संघवी (प्रोपराइटर), श्री महावीर संघवी पिता श्री जयंतीलाल संघवी (जमानतदार), श्रीमती रजनी संघवी पति श्री जयंतीलाल संघवी (जमानतदार), सभी का पता:- मकान नं. 21 सरदार की समाधि इंदौर (म.प्र.) 452002	फ्लेट क्रमांक 101, प्रथम तल पर, स्वर्ण सागर पैलेस, फ्लेट क्रमांक एस-2, सर्वेक्षण भाग, खसरा क्रमांक 31, तहसील एवं जिला इंदौर म.प्र. 452001, क्षेत्रफल: 1260 वर्ग फीट, चतुर्सीमा - पूर्व - फ्लेट क्रमांक एस-3 और एस-4, पश्चिम - फ्लेट क्रमांक 102, उत्तर - रोड, दक्षिण - फ्लेट क्रमांक एस-1, सर्वेक्षण तल पर, स्वर्ण सागर पैलेस, फ्लेट क्रमांक एस-2, सर्वेक्षण भाग, खसरा क्रमांक 31, तहसील एवं जिला इंदौर म.प्र. 452001, क्षेत्रफल: 1260 वर्ग फीट, चतुर्सीमा - पूर्व - फ्लेट क्रमांक एस-3 और एस-4, पश्चिम - फ्लेट क्रमांक 102, उत्तर - रोड, दक्षिण - फ्लेट क्रमांक 6 और एस-7, सर्वेक्षण श्री जयंतीलाल संघवी पिता सरवारमल संघवी, फ्लेट क्रमांक 101, प्रथम तल पर, स्वर्ण सागर पैलेस, फ्लेट क्रमांक एस-2, सर्वेक्षण भाग, खसरा क्रमांक 31, तहसील एवं जिला इंदौर म.प्र. 452001, क्षेत्रफल: 1260 वर्ग फीट, चतुर्सीमा - पूर्व - फ्लेट क्रमांक एस-3 और एस-4, पश्चिम - फ्लेट क्रमांक 102, उत्तर - रोड, दक्षिण - फ्लेट क्रमांक 6 और एस-7, सर्वेक्षण श्री जयंतीलाल संघवी पिता सरवारमल संघवी	02.01.2018 ₹ 1,58,99,645.12 + ब्याज एवं अन्य खर्च	03.04.2018 सांकेतिक	₹ 22.42 लाख ₹ 21.58 लाख ₹ 20.02 लाख	₹ 2.25 लाख ₹ 2.16 लाख ₹ 2.01 लाख

बैंक के द्वारा स्टाम्प शुल्क, बिक्री प्रमाण पत्र शुल्क, पंजीकरण शुल्क, टी.डी.एस. सरकार को देय सभी वैधानिक बकाया, कर और वर्तमान और भविष्य में संपत्ति को लगे अन्य खर्च, गोदाम और भविष्य, दोनों के लिए देय होगा। बिक्री प्रमाण पत्र केवल सफल बोलीदाता के नाम से ही जारी किया जाएगा।

ई-नीलामी तथा प्रभावी की वेबसाईट https://baanknet.com नोटीसों में विस्तृत जानकारी हेतु वैबसाईट विजिटों के साथ देख सकते है। बोलीदाताओं को पूर्व में ही बोली पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करना अनिवार्य है। नीलामी की तारीख तथा जानकारी हेतु नीलामी विभाग के पते पर भी आप कर लेने की सभी जानकारी बोलीदाता को पहले से ही बोली पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करना अनिवार्य है। नीलामी की तारीख तथा जानकारी हेतु नीलामी विभाग के पते पर भी आप कर लेने की सभी जानकारी बोलीदाता को पहले से ही बोली पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करना अनिवार्य है।

ई. सफल बोलीदाता को परिणाम के तुरन्त बाद बिक्री मूल्य का 25 % (पच्चीस प्रतिशत) तुरन्त भुगतान की ई बुल्लेटी घटाकर) अचल कार्य विक्रय तक जमा कराना होगा।

बी. नीलामी बिक्री की कार्यवाही में विफल लेनदार के समय समाप्त होने के पश्चात, शेष मूल्य का 25 % (पच्चीस प्रतिशत) तुरन्त भुगतान की गई बुल्लेटी घटाकर) अचल कार्य विक्रय तक जमा कराना होगा।

सी. बिक्री मूल्य की शेष राशि का भुगतान बिक्री की दिनांक से 15 दिनों (पंद्रह) दिन के भीतर जमा किया जाना होगा।

डी. उक्त प्रतिशतों का अपेक्षित भुगतान न करने पर, अचल और चलायमान संपत्ति अचल करने की अवधि और संपत्ति को फिर से बेच दिया जाएगा।

ई. सफल बोलीदाता की यह जिम्मेदारी होगी की आयकर अधिनियम की धारा 194-IA के तहत लागू 1% की दर से टीडीएस जमा करना होगा, यदि इस तरह के प्रतिफल के लिए जमा या भुगतान की गई राशि का योग रु. 50 लाख या अधिक है। टीडीएस का कार्ड 7608